मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 15

102

302 (DQ)

2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

खण्ड क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल की कृति है : *1*

(i) 'मेरी असफलताएँ'

(ii) 'माताभूमि'

(iii) 'आधे-अधूरे'

(iv) 'आखिरी चट्टान'

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना *नहीं* है : *1*

(i) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका'

(ii) 'विचार और वितर्क'

(iii) 'बिल्लेसुर बकरिहा'

(iv) 'साहित्य का मर्म'

(ग) निम्नलिखित में से प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी की रचना है : *1*

(i) 'मेरे विचार'

(ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

(iii) 'आलवाल'

(iv) 'मैंने सिल पहुँचायी'

(घ) 'अग्नि की उड़ान' पुस्तक के रचनाकार हैं : *1*

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय

(iii) धर्मवीर भारती

(iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ङ) फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कृति 'ठुमरी' किस विधा पर आधारित है ? *1*

(i) यात्रा-संस्मरण

(ii) उपन्यास

(iii) कहानी

(iv) रिपोर्ताज

https://www.upboardonline.com

2. (क) 'रसकलश' किसकी रचना है ? 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की महाकाव्यात्मक कृति है : 1

(i) 'भारत-भारती' (ii) 'जयद्रथ वध'

(iii) 'यशोधरा' (iv) 'साकेत'

(ग) निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति *नहीं* है : 1

(i) 'कानन-कुसुम' (ii) 'प्रेमपथिक'

(iii) 'चित्राधार' (iv) 'इत्यलम्'

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' किस कृति पर मिला था ? 1

(i) 'कला और बूढ़ा चाँद'

(ii) 'लोकायतन'

(iii) 'चिदम्बरा'

(iv) 'स्वर्ण-किरण'

(ङ) निम्नलिखित में से सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन का काव्य संकलन है : 1

(i) 'लहर' (ii) 'उर्वशी'

(iii) 'गुंजन' (iv) 'हरी घास पर क्षण भर'

https://www.upboardonline.com

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से है । उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है । भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरित होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी । यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है । जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है । राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा । इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है ।

(क) भूमि का निर्माण किसने किया है और वह कब से है ?

(ख) यह पृथिवी सच्चे अर्थों में किसकी जननी है ?

(ग) 'पार्थिव' और 'आद्योपांत' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद वैरागियों की पलटन खड़ी की थी । असल में 'मार' मदन का भी नामांतर है । कैसा मधुर और मोहक साहित्य उन्होंने दिया । पर न जाने कब यक्षों के वज्रपाणि नामक देवता इस वैराग्यप्रवण धर्म में घुसे और बोधिसत्त्वों के शिरोमणि बन गये फिर वज्रयान का अपूर्व धर्म-मार्ग प्रचलित हुआ । त्रिरत्नों में मदन देवता ने आसन पाया । वह एक अजीब आँधी थी । इसमें बौद्ध बह गये, शैव बह गये, शाक्त बह गये । उन दिनों 'श्रीसुन्दरीसाधनतत्पराणां योगश्च भोगश्च करस्थ एव' की महिमा प्रतिष्ठित हुई । काव्य और शिल्प के मोहक अशोक ने अभिचार में सहायता दी ।

(क) भगवान् बुद्ध ने मार-विजय के बाद क्या किया ?

(ख) बोधिसत्त्वों का शिरोमणि कौन बन गया ?

(ग) 'बोधिसत्त्व' और 'अभिसार' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।
जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।
जा के मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ।।
ज्यों ही मेरा भवन तज तू अल्प आगे बढ़ेगी ।
शोभावाली सुखद कितनी मंजु कुंजें मिलेंगी ।
प्यारी छाया मृदुल स्वर से मोह लेंगी तुझे वे ।
तो भी मेरा दुःख लख वहाँ जा न विश्राम लेना ।।

(क) संदेश प्रेषिका ने 'नव जलद से कंज से नेत्र वाले' शब्द किसके लिए प्रयोग किया है ?

(ख) मधुवन जाकर किसने कोई सन्देश नहीं भेजा ?

(ग) 'बावली' और 'अल्प' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन
तुम आत्मा के, मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज ।

(क) इस दुनिया में सब लोग क्या खोजने आते हैं ?

(ख) 'बापू' ने 'पशुता के पंकज' को क्या बना दिया ?

(ग) 'स्पर्धा' और 'अहिंसा' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश से सम्बन्धित कविता का शीर्षक तथा उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *3+2=5*

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

अथवा

'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) *5*

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्वितीय विश्वयुद्ध' की कथावस्तु लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधी जी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

https://www.upboardonline.com

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी । दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेक गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायते ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्याञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् । अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि महामना मालवीयः स्वयशसोऽमूर्तरूपेण प्रकाशं वितरन् अन्धे तमसि निमग्नान् जनान् सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने स्थाने जने जने उपस्थित एव ।

https://www.upboardonline.com

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी **एक** का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एवं नित्यं
विद्याधनं सर्वधनंप्रधानम् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : *1+1=2*

(क) अधजल गगरी छलकत जाय

(ख) कलई खुलना

(ग) पानी-पानी होना

(घ) आम के आम गुठलियों के दाम

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'कवीन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) कवि + ईन्द्रः
(ब) कवी + इन्द्रः
(स) कवि + इन्द्रः
(द) कवी + ईन्द्रः

https://www.upboardonline.com

(ii) 'देवेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) देव + ईशः
(ब) देवा + ईशः
(स) देवे + शः
(द) देवा + इशः

(iii) 'नाविकः' का सही सन्धि-विच्छेद है : *1*

(अ) नाव + इकः
(ब) नौ + विकः
(स) नौ + ईकः
(द) नौ + इकः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मनोः' शब्द में विभक्ति और वचन है : *1*

(अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(ब) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन
(स) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन
(द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है : *1*

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(स) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अविराम – अभिराम *1*

(अ) रुककर और सुन्दर

(ब) लगातार और कुरूप

(स) लगातार और सुन्दर

(द) लेटकर और भद्दा

(ii) जलद – जलधि *1*

(अ) बादल और समुद्र

(ब) पानी और समुद्र

(स) इन्द्र और पर्वत

(द) जल और पर्वत

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी *एक* शब्द के दो अर्थ लिखिए : *1+1=2*

(i) दल

(ii) मित्र

(iii) दाम

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए : *1*

(i) जो ईश्वर में विश्वास करता है :

(अ) अकृतज्ञ

(ब) कृतज्ञ

(स) आस्तिक

(द) नास्तिक

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

(ii) जो ग़लत कार्य के लिए हठ करे : *1*

(अ) दुराग्रह (ब) दुराग्रही

(स) सदाग्रही (द) सत्याग्रही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) यह पद्यांश नौकाविहार कविता से संग्रहीत है ।

(ii) क्या मेरा तौलिया सूख गया ?

(iii) तुम मेरे से मत बोलो ।

(iv) निरपराधी को दण्ड नहीं देना चाहिए ।

12. (क) 'वीर' **अथवा** 'करुण' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ख) 'श्लेष' **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ग) 'दोहा' **अथवा** 'कुंडलियाँ' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

13. कृषि यंत्रों की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा प्रबंधक को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें ऋण की माँग की गयी हो । *6*

अथवा

नैत्यिक लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति के लिए किसी **विद्यालय के प्रबन्धक** को एक आवेदन-पत्र लिखिए । *6*

https://www.upboardonline.com

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(क) किसान-जीवन की त्रासदी

(ख) मुंशी प्रेमचन्द का कथा साहित्य में योगदान

(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(घ) राष्ट्रीय एकता : आज की अनिवार्य आवश्यकता

(ङ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

2,42,000

https://www.upboardonline.com